

Villages Adopted under UBA

The Ministry of Human Resource Development has launched an ambitious project '**Unnat Bharat Abhiyan (UBA)**' on the eve of National Education Day (11th November 2014). In this regard CUHP has recently signed MOU with IIT Delhi to carry forward the various activities under UBA.

As a part of UBA initiatives, Central University of Himachal Pradesh, Shahpur has adopted five (05) villages in its vicinity vide notification 1-6/sa.pr./hi.pr.ke.vi./2010/khand-IV/1409-12, dated 23rd Feb. 2016. However, one more village 'Jandhru' at Hamirpur Distt. is being added by the University in the list of adopted villages and the same has been communicated to the UBA Cell of Coordinating Institute (CI) IIT Delhi.

The list of villages adopted in Kangra and Hamirpur Distt. as under:

- 1. Chhatri, Gram Panchayat Sihuvan (Kangra)**
- 2. Sihuvan, Gram Panchayat Sihuvan (Kangra)**
- 3. Bhaniyar, Gram Panchayat Manjhgran (Kangra)**
- 4. Jallari, Gram Panchayat Manjhgran (Kangra)**
- 5. Manjhgran, Gram Panchayat Manjhgran (Kangra)**
- 6. *Jandhru, Gram Panchayat Jandhru (Hamirpur) (Under Process)***

Keeping in view the objective of the UBA, two persons were inducted to perform Household Survey and various other UBA activities. The baseline survey of all the villages is almost done as per the proforma provided by the CI and the process of data feeding is under progress. Students of the BSc (Physics/ Hons.) are performing base line survey activities related to energy saving and cleanliness, and some students are performing activities related to the Physics Education.

विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत पांच गाँव:-

1. मंझग्रा
2. जलाड़ी
3. भनियार
4. छतरी
5. सिहुवां

क्षेत्र सर्वेक्षण विवरण:-

- 15 मार्च 2017 को सर्वेक्षण शुरू किया |
- पांच गाँव में से चार गाँव का परिवार सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है ,और सिहुवां(फरगेहर) गाँव का इस माह(जुलाई) में ही शुरू करना है |
- चार गाँव के ऑनलाइन आंकड़े भरे जा चुके हैं|

सर्वेक्षण के दौरान सामने आई समस्याएं :-

- पीने के पानी की समस्या (पैहड़ गाँव में सबसे अधिक)
- सिंचाई की समस्या
- पशुओं की समस्या (आवारा पशु और जंगली जानवर)
- परिवहन की समस्या
- नशे की समस्या

वास्तविक स्थिति :-

पीने का पानी

क्रम	गाँव के नाम	कुएं		हैंडपंप		प्राकृतिक स्रोत
		ठीक	खराब	ठीक	खराब	
1.	जलाड़ी	1	1	1	1	0
2.	मंझग्रा	2	0	2	4	0
3.	भनियार	6	0	1	1	0
4.	छतरी	4	0	1	5	4
5.	सिहुवां	0	0	0	0	0

समस्याओं का निदान:-

- पीने के पानी की समस्या का हल : कम हैंडपंप और कम बोरिंग की समस्याओं की बजह से इन गावों में पानी की समस्या है इन गावों में पानी के लिए पंचायत स्तर पर प्रोग्राम बनाये जाने चाहिए ! तथा जो प्रोजेक्ट है उस से इन गावों में पानी पहुंचना बड़ा कठिन है इस लिए कोई नयी योजना का निर्माण और पांच – पांच घरों के लिए अलग से कोई योजना बनानी चाहिए ! और गाँव के लिए ऊँचे स्थान पर पानी का टैंक बनाया जाये और सभी घरों को इसकी सुविधा उपलब्ध करवाई जाये|

- **सिंचाई के पानी की समस्या का हल** : भनियार, मंझग्रा, छतरी, सिहवां में कुहल है परन्तु मंझग्रा को छोड़ कर बाकी के गाँव में अब कुहल की सुविधा नहीं है क्योंकि यह कुहलें अब बंद हो चुकी हैं | जलाड़ी तथा छतरी के अंतर्गत आने वाले गाँव पैहड़ में तो सिंचाई की कोई भी सुविधा नहीं है यह दोनों गाँव वर्षा पर ही निर्भर हैं| अतः जिन गाँव में कुहलें और पानी की लिफ्ट बंद हैं उनको ठीक किया जाये तथा जहाँ कुहलें नहीं हैं वहाँ पर कुहलों का निर्माण करवाया जाए|
- **आवारा तथा जंगली जानवरों की समस्या का हल** : इन पशुओं की समस्याओं के लिए सरकार सोलर वार्ड तथा अन्य वार्ड की सुविधा उपलब्ध करवाए | जो लोग पशुओं का प्रयोग करने के बाद उनको आवारा छोड़ देते हैं उन लोगों के लिए सख्त कानून बनाया जाये|
- **परिवहन की समस्या का हल** : भनियार तथा जलाड़ी गाँव के लिए कई वर्षों से सड़क बनी है | यह सड़क मंझग्रा से हरनेरा तक 9 कि. मी. लम्बी है परन्तु आज तक सरकार द्वारा बस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई | अतः इस सड़क पर बस सुविधा उपलब्ध करवाई जाए |
- **नशे की समस्या का हल** : इसके लिए सरकार गाँव के लोगों के साथ मिलकर ठोस कदम उठाये और लोगों को नशा ना करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए | जो लोग नशे के व्यापारी हैं और जहाँ से नशे की आपूर्ति होती है | उस सब के लिए कोई ठोस नीति बनाये |